**SHRI SHIVAJI EDUCATION SOCIETY, AMRAVATI'S**

**SHRI SHIVAJI COLLEGE OF ARTS, COMMERCE AND SCIENCE, AKOLA (MS)**

**Affiliated with Sant Gadge Baba Amravati University, Amravati (MS)**

**UGC Status- College with Potential for Excellence (Phase II Completed)**

**DST- FIST (Level 0) Support;**

**Lead College Status by S. G. B. Amravati University, Amravati (MS)**

**Website: www.shivajiakola.ac.in**

## 2.2 Extended Profile

## Documents regarding Seats earnmarked for Reserve Category

Shri Shivaji Education Society, Amravati's

**SHRI SHIVAJI COLLEGE OF ARTS, COMMERCE AND SCIENCE, AKOLA**

NAAC Re-Accredited with A grade with CGPA 3.24

UGC Status of 'College with Potential for Excellence', DST-FIST level- 0 Support

**Lead College status by S.G.B.A.U. Amravati**

Near Shivaji Park, Akola - 444 001 (Maharashtra)

Phone & Fax : 0724-2410438/2411039

Website : shivajiakola.ac.in E-mail : principal@shivajiakola.ac.in

Late Dr. Panjabrao Deshmukh
Founder President

Hon. Harshvardhan Deshmukh
President

Dr. Ambadas L. Kulat
Principal

No. SSC/AKL/

Date 15|12|2021

# Declaration

This is to declare that the information, reports , true copies and numerical data etc. furnished in this file as supporting documents is verified by IQAC and found correct.

Hence this certificate.

Dr. A. S. Raut

**Dr. A. S. Raut**
IQAC Co-ordinator
Shri Shivaji College of Arts, Commerce & Science, AKOLA

Dr. A. L. Kulat

**PRINCIPAL**
Shri Shivaji College, of Arts
Commerce & Science,AKOLA
A GRADE C.GPA. 3.24., BY NAAC

CS Scanned with CamScanner

**Average percentage of seats filled against seats reserved for various categories (SC, ST, OBC, Divyangjan, etc. as per applicable reservation policy) during the last five years.**

| Year | Number of seats earmarked for reserved category as per GOI or State Government rule | | | | | | Number of students admitted from the reserved category | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | SC | ST | OBC | Divyangj | Gen | Others | SC | ST | OBC | Divyangj | Gen | Others |
| 2016-2017 | 377 | 203 | 927 | 58 | 1390 | -- | 553 | 87 | 1299 | 4 | 545 | -- |
| 2017-2018 | 372 | 200 | 915 | 57 | 1373 | -- | 479 | 84 | 1414 | 19 | 456 | -- |
| 2018-2019 | 366 | 197 | 900 | 56 | 1350 | -- | 558 | 98 | 1144 | 11 | 507 | -- |
| 2019-2020 | 372 | 200 | 915 | 57 | 1372 | -- | 431 | 82 | 1570 | 7 | 367 | -- |
| 2020-2021 | 378 | 203 | 929 | 58 | 1394 | -- | 611 | 88 | 1426 | -- | 328 | -- |

**The number of (Male and Female) students admitted to the college during the last five academic years.**

| Categories | 2017 | | 2018 | | 2019 | | 2020 | | 2021 | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | Male | Female | Male | Female | Male | Female | Male | Female | Male | Female |
| SC | 336 | 217 | 317 | 162 | 306 | 252 | 235 | 196 | 333 | 278 |
| ST | 44 | 43 | 58 | 26 | 53 | 45 | 53 | 29 | 42 | 46 |
| OBC | 672 | 627 | 838 | 576 | 582 | 562 | 781 | 789 | 696 | 730 |
| GENERAL | 259 | 286 | 276 | 180 | 260 | 247 | 193 | 174 | 166 | 162 |
| OTHER DIVYANGJAN | 02 | 02 | 10 | 09 | 05 | 06 | 03 | 04 | -- | -- |

Dr. A. S. Raut
IQAC Co-ordinator
Shri Shivaji College of Arts,
Commerce & Science, AKOL[illegible]

PRINCIPAL
Shri Shivaji College, of Arts
Commerce & Science,AKO[illegible]
A GRADE C.GPA. 3.24., BY N[illegible]

*Translated Copy*

Government of
MaharashtraGeneralAdministrationDep
artment
Government Resolution number BCC-2018/sub.No.581A/16-
bMadamKamaRoad,HutatmaRajgurusquare,Mantralay,Mumbai-400032
Date:July04,2019

Category-wiseReservationPolicy

| Sr.No. | Category | % of Reservation | Point Nos. |
|---|---|---|---|
| 1 | SC | 13 | 1,12,21,27,37,43,51,61,67,73,81,91,97 |
| 2 | ST | 7 | 2,23,33,53,63,71,93 |
| 3 | VJ(A) | 3 | 3,41,83 |
| 4 | NT(B) | 2.5 | 4,47 |
| 5 | NT(C) | 3.5 | 7,31,57 |
| 6 | NT(D) | 2 | 11,77 |
| 7 | SBC | 2 | 15,87 |
| 8 | OBC | 19 | 5,9,17,19,25,29,35,39,45,49,55,59,65,69,75,79,85,89,95 |
| 9 | BC | 13 | 6,14,22,28,36,42,50,58,64,72,80,88,96 |
| 10 | EBC | 10 | 8,16,26,38,46,56,68,76,86,89 |
| 11 | OPEN | 25 | 10,13,18,20,24,30,32,34,40,44,48,50,52,54,60,62,70,74,78,82,84,90,92,94,100 |

sd
T.V. Karpate,
Deputy Secretary,
Govt. Of Maharashtra

Dr. A. S. Raut
IQAC Co-ordinator
Shri Shivaji College of Arts,
Commerce & Science, AKOLA

श्री शिवाजी महाविद्यालय अकोला A Grade CGPA 3.24 by NAAC

Principal
Shri Shivaji College, of Arts
Commerce & Science, Akola
A Grade CGPA 3.24 by NAAC

मा.उच्च न्यायालय,मुंबई यांनी जनहित याचिका क्र.१७५/२०१८ व इतर संलग्न याचिकांमध्ये दि.२७ जून, २०१९ रोजी दिलेल्या निर्णयानुसार सामाजिक आणि शैक्षणिक मागास (एसईबीसी) वर्गाच्या आरक्षणाच्या तरतुदीनुसार सरळसेवा भरतीसाठी सुधारित बिंदुनामावली विहित करणेबाबत.

महाराष्ट्र शासन
सामान्य प्रशासन विभाग
शासन निर्णय क्रमांक : बीसीसी- २०१८/प्र.क्र. ५८१ ए/१६-ब
मादाम कामा मार्ग, हुतात्मा राजगुरु चौक,
मंत्रालय, मुंबई -४०० ०३२.
दिनांक : ०४ जुलै, २०१९

वाचा:-

१. सन २०१८ चा महाराष्ट्र अधिनियम क्रमांक ६२, दिनांक ३० नोव्हेंबर, २०१८. महाराष्ट्र राज्य सामाजिक आणि शैक्षणिक मागास (एसईबीसी) वर्गाकरिता (राज्यातील शैक्षणिक संस्थांमधील जागांच्या प्रवेशाचे आणि राज्याच्या नियंत्रणाखालील लोकसेवांमधील नियुक्त्यांचे किंवा पदांचे) आरक्षण अधिनियम, २०१८.
२. महाराष्ट्र राज्य लोकसेवा (अनुसूचित जाती, अनुसूचित जमाती, निरधिसूचीत जमाती (विमुक्त जाती), भटक्या जमाती , विशेष मागास प्रवर्ग आणि इतर मागासवर्ग यांच्यासाठी आरक्षण) अधिनियम,२००१.
३. शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग क्र. बीसीसी१०९७/प्र.क्र.२/९७/१६-ब, दि. २९.३.१९९७.
४. शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग क्र.बीसीसी २०१८/प्र.क्र.५८१ ए/२०१८ /१६-ब, दि. ५.१२.२०१८ व शासन शुध्दीपत्रक दि. ११.१२.२०१८.
५. शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग क्र. राआधो ४०१९/प्र.क्र.३१/१६-अ, दि. १२.०२.२०१९.
६. शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग क्र.बीसीसी २०१९/प्र.क्र.११८ए/२०१९/१६-ब, दि. १६.२.२०१९ व शासन शुध्दीपत्रक दि. १८.२.२०१९
७. मा.उच्च न्यायालय,मुंबई यांनी दि.२७ जुन,२०१९ रोजी जनहित याचिका क्र १७५/२०१८ व इतर संलग्न याचिकांमध्ये दिलेला निर्णय
८. महाराष्ट्र राज्य सामाजिक आणि शैक्षणिक मागास (एसईबीसी) वर्गाकरिता (राज्यातील शैक्षणिक संस्थांमधील जागांच्या प्रवेशाचे आणि राज्याच्या नियंत्रणाखालील लोकसेवांमधील नियुक्त्यांचे किंवा पदांचे) आरक्षण (सुधारणा ) अधिनियम २०१९ (सन २०१९ चा महाराष्ट्र अधिनियम क्र.७) दि.३ जुलै,२०१९

प्रस्तावना :-

महाराष्ट्र राज्यातील सामाजिक आणि शैक्षणिक मागास (एसईबीसी) वर्गाकरिता (राज्यातील शैक्षणिक संस्थांमधील जागांच्या प्रवेशाचे आणि राज्याच्या नियंत्रणाखालील लोकसेवांमधील नियुक्त्यांचे किंवा पदांचे) आरक्षण अधिनियम २०१८ (सन २०१८ चा महाराष्ट्र अधिनियम क्र. ६२) यामध्ये महाराष्ट्र राज्यातील सामाजिक आणि शैक्षणिकदृष्ट्या मागास (एसईबीसी) नागरिकांच्या वर्गाच्या प्रगतीसाठी राज्यातील शैक्षणिक संस्थांमधील प्रवेशाकरिता जागांच्या आरक्षणासाठी आणि राज्याच्या नियंत्रणाखालील लोकसेवांमधील नियुक्त्यांच्या आणि पदांच्या आरक्षणासाठी आणि त्यांच्याशी संबंधित किंवा तदनुषंगिक बाबींची तरतूद आहे.

Scanned by CamScanner

Scanned by CamScanner

उक्त अधिनियमाच्या कलम ४ च्या पोट-कलम (१) च्या खंड (ख) नुसार कोणत्याही न्यायालयाचा किंवा इतर प्राधिकरणाचा कोणताही न्यायनिर्णय, हुकूमनामा किंवा आदेश यांमध्ये काहीही अंतर्भूत असले तरी, आणि उक्त अधिनियमाच्या इतर तरतुदींना अधीन राहून, राज्याच्या नियंत्रणाखालील लोकसेवांमधील सरळसेवा प्रवेशाच्या एकूण नियुक्त्यांच्या १६% (सोळा टक्के) इतक्या जागा ह्या, मराठा समाजासह सामाजिक आणि शैक्षणिकदृष्ट्या मागास (एसईबीसी) वर्गासाठी स्वतंत्रपणे राखून ठेवण्यात येतील.

जनहित याचिका क्रमांक १७५/२०१८ आणि इतर संबंधित प्रकरणे यांमध्ये, उक्त अधिनियमाच्या विधिग्राह्यतेला मा.मुंबई उच्च न्यायालयामध्ये आव्हान देण्यात आले होते. मुंबई उच्च न्यायालयाने दिनांक २७ जून २०१९ रोजी उक्त प्रकरणांतील न्यायनिर्णय दिला आहे, त्याद्वारे उक्त अधिनियमाच्या उक्त तरतूदींद्वारे विहित करण्यात आलेल्या आरक्षणाच्या प्रमाणाची मर्यादा वगळून उक्त अधिनियमाची विधिग्राह्यता कायम ठेवण्यात आली आहे.

उक्त अधिनियमाच्या उक्त तरतूदींद्वारे विहित करण्यात आलेली उपरोक्त आरक्षणाच्या प्रमाणाची बाजू विचारात घेणारा उक्त न्यायनिर्णय, राज्य शासनाने, भारताच्या संविधानाच्या अनुच्छेद १५(४), अनुच्छेद १५(५) आणि अनुच्छेद १६(४) अन्वये, त्यास समर्थकारी करण्याचा अधिकारांचा वापर करुन केलेली, दोन्ही १६% (सोळा टक्के) इतकी मर्यादा निश्चित करणे कायदेशीरदृष्ट्या समर्थनीय नाही, असा निर्णय देतो. महाराष्ट्र राज्य मागासवर्ग आयोगाद्वारे निश्चित करण्यात आलेले प्रमाण/ मर्यादा ही परिमाण ठरविण्यायोग्य आधारसामग्रीवर आधारित आहे, असे मत त्यात व्यक्त केले आहे. आयोगाने उक्त प्रमाण/ मर्यादा अनुक्रमे १२% (बारा टक्के) आणि १३% (तेरा टक्के) इतकी निश्चित केली आहे. उक्त न्यायनिर्णयात असा निष्कर्ष काढण्यात आला आहे की, उक्त तरतुदींद्वारे अशा प्रकारे तरतूद करण्यात आलेले १६% (सोळा टक्के) आरक्षणाचे प्रमाण कायदेशीररित्या समर्थनीय नाही. परिणामत: मा.उच्च न्यायालयाने अशा प्रकारे तरतूद करण्यात आलेले १६% (सोळा टक्के) आरक्षण रद्दबातल करुन, भारताच्या संविधानाच्या अनुच्छेद १५(४), अनुच्छेद १५(५) अन्वये १२% (बारा टक्के) हून अधिक, तसेच भारताच्या संविधानाच्या अनुच्छेद १६(४) अन्वये १३ % (तेरा टक्के) हून अधिक आरक्षण रद्द केले आहे. त्यास अनुसरून संदर्भ क्र. ८ येथील अधिनियमान्वये सन २०१८ आरक्षण अधिनियम क्र.६२ च्या कलम ४ (१) च्या पोट कलम ख मध्ये सुधारणा करण्यात आली आहे व राज्याच्या नियंत्रणाखालील लोकसेवांमधील सरळसेवा प्रवेशाच्या एकूण नियुक्त्यांच्या १३% (तेरा टक्के) इतक्या जागा ह्या, मराठा समाजासह सामाजिक आणि शैक्षणिकदृष्ट्या मागास (एसईबीसी) वर्गासाठी निश्चित केल्या आहेत. त्याअनुषंगाने संदर्भाधिन क्र.४ ते ६ येथील शासन निर्णय व शासन शुद्धिपत्रकान्वये विहित


Scanned by CamScanner
Scanned by CamScanner

करण्यात आलेली बिंदुनामावली, एसईबीसी वर्गाच्या १३ टक्के आरक्षणासह सुधारित करण्याची बाब शासनाच्या विचाराधिन होती.

**शासन निर्णय :-**

मा.उच्च न्यायालय,मुंबई येथे जनहित याचिका क्र.१७५/२०१८ व इतर संलग्न याचिका दाखल करण्यात आलेल्या याचिकांवर मा.उच्च न्यायालय,मुंबई यांनी दि.२७ जुन,२०१९ रोजी दिलेल्या निर्णयानुसार तसेच संदर्भाधिन क्रं. ८ येथील अधिनियमान्वये केलेल्या सुधारणेस अनुसरुन, सामाजिक आणि शैक्षणिक मागास वर्ग (एसईबीसी.) (Socially and Educationally Backward Classes) (SEBC) वर्गासाठी, राज्याच्या लोकसेवांमधील शासकीय / निमशासकीय सेवेत सरळसेवा भरतीच्या पदांमध्ये १३ टक्के आरक्षण विहित करण्यात येत आहे. त्यानुसार संदर्भाधिन क्र.४ ते ६ येथील शासन निर्णय व शासन शुद्धिपत्रकान्वये अन्वये विहित करण्यात आलेली बिंदुनामावली सुधारित करण्यात येत आहे.

२. संदर्भाधीन क्रमांक १ येथील, अधिनियम प्रसिध्द झाल्याच्या दिनांकापासून, म्हणजेच दि. ३० नोव्हेंबर २०१८ या दिनांकापासून शासकीय / निमशासकीय सेवेतील सरळसेवा भरतीसंदर्भात सोबतच्या परिशिष्ट-अ नुसार विहित करण्यात येत असलेल्या सुधारित बिंदुनामावलीचा अवलंब करण्यात यावा.

३. सरळसेवेद्वारे करण्यात येणाऱ्या नियुक्त्यांबाबत, वरील प्रमाणे बिंदुनामावलीचा अवलंब करताना, सोबत जोडलेल्या परिशिष्ट-ब मध्ये नमूद करण्यात आलेल्या सूचनांचे पालन करण्यात यावे

४. सदर शासन निर्णय मा.उच्च न्यायालय,मुंबई यांनी जनहित याचिका क्र.१७५/२०१८ व इतर संलग्न याचिकांमध्ये दि.२७.६.२०१९ रोजी दिलेल्या निर्णयाच्या विरोधात मा.सर्वोच्च न्यायालयात विशेष अनुमती याचिका दाखल झाल्यास त्यामधील न्यायनिर्णयाच्या निर्णयाच्या अधिन राहून निर्गमित करण्यात येत आहे.

५. सदर शासन निर्णय राज्यातील सर्व शासकीय, निमशासकीय कार्यालये, सेवामंडळे, महानगरपालिका, नगरपालिका, शैक्षणिक संस्था, स्थानिक स्वराज्य संस्था, जिल्हा परिषदा, महामंडळे, शासकीय अनुदान प्राप्त संस्था, विद्यापीठे, सहकारी संस्था, शासकीय उपक्रम व शासनाच्या अधिपत्त्याखालील किंवा शासनाने अनुदान दिलेली मंडळे इत्यादींना लागू राहील. याबाबत सर्व प्रशासकीय विभागांनी त्यांच्या अधिनस्त असलेल्या सर्व क्षेत्रिय कार्यालयांना/आस्थापनांना योग्य ते आदेश निर्गमित करावेत.



Scanned by CamScanner

Scanned by CamScanner

६. सदरहू शासन निर्णय महाराष्ट्र शासनाच्या www.maharashtra.gov.in या संकेतस्थळावर उपलब्ध करण्यात आला असून त्याचा संगणक सांकेतांक क्रमांक २०१९०७०४१७२४१७०२०७ असा आहे. हा शासन निर्णय डिजीटल स्वाक्षरीने साक्षांकित करुन काढण्यात येत आहे.

महाराष्ट्राचे राज्यपाल यांच्या आदेशानुसार व नावाने,

(टि. वा. करपते)
उप सचिव, महाराष्ट्र शासन

प्रति,

१) राज्यपाल यांचे प्रधान सचिव,राजभवन,मलबार हिल,मुंबई.
२) मुख्यमंत्र्यांचे अपर मुख्य सचिव/प्रधान सचिव/सचिव,मंत्रालय,मुंबई.
३) सर्व मंत्री/राज्यमंत्री यांचे खाजगी सचिव,
४) मा. विरोधी पक्षनेता,विधानपरिषद
५) मा. विरोधी पक्षनेता,विधानसभा
६) सर्व विधानसभा सदस्य/विधानपरिषद सदस्य व संसद सदस्य,महाराष्ट्र राज्य,मुंबई.
७) मुख्य सचिव,महाराष्ट्र राज्य.
८) अपर मुख्य सचिव/प्रधान सचिव/सचिव, सर्व मंत्रालयीन विभाग,
९) प्रधान सचिव,महाराष्ट्र विधानमंडळ सचिवालय(विधानसभा)
१०) प्रधान सचिव,महाराष्ट्र विधानमंडळ सचिवालय(विधानपरिषद)
११) सर्व विभागीय आयुक्त,
१२) सर्व जिल्हाधिकारी,
१३) सर्व जिल्हा परिषदांचे मुख्य कार्यकारी अधिकारी,
१४) प्रबंधक, उच्च न्यायालय, मुळ शाखा, मुंबई,
१५) प्रबंधक, उच्च न्यायालय, अपील शाखा, मुंबई,
१६) प्रबंधक, लोकायुक्त आणि उपलोकायुक्त यांचे कार्यालय, मुंबई,
१७) प्रबंधक,महाराष्ट्र प्रशासकीय न्यायाधिकरण,मुंबई,नागपूर,औरंगाबाद,
१८) सचिव, महाराष्ट्र लोकसेवा आयोग, मुंबई,
१९) सचिव,राज्य निवडणूक आयोग,
२०) सचिव,राज्य माहिती आयोग,
२१) महासंचालक, माहिती व जनसंपर्क महासंचालनालय, मंत्रालय, मुंबई,
२२) राज्यातील सर्व महामंडळे आणि उपक्रम यांचे व्यवस्थापकीय संचालक,
२३) सर्व महानगरपालिकांचे आयुक्त,
२४) सर्व मुख्याधिकारी, नगरपरिषदा/नगरपालिका,
२५) संचालक, समाजकल्याण, पुणे,
२६) आयुक्त, आदिवासी विकास, नाशिक,
२७) संचालक, आदिवासी संशोधन व प्रशिक्षण संस्था, पुणे,
२८) संचालक, सेवायोजन, मुंबई,
२९) महालेखापाल, महाराष्ट्र १/२ (लेखा व अनुज्ञेयता), मुंबई/नागपूर,



Scanned by CamScanner

Scanned by CamScanner

## परिशिष्ट - अ

### सरळसेवा १०० बिंदूनामावली

| बिंदु क्र. | प्रवर्ग | बिंदु क्र | प्रवर्ग | बिंदु क्र | प्रवर्ग |
|---|---|---|---|---|---|
| १ | अनुसूचित जाती | ३५ | इतर मागास वर्ग | ६९ | इतर मागास वर्ग |
| २ | अनुसूचित जमाती | ३६ | सामाजिक आणि शैक्षणिक मागास वर्ग | ७० | खुला |
| ३ | विमुक्त जाती (अ) | ३७ | अनुसूचित जाती | ७१ | अनुसूचित जमाती |
| ४ | भटक्या जमाती (ब) | ३८ | आर्थिकदृष्टया दुर्बल घटक | ७२ | सामाजिक आणि शैक्षणिक मागास वर्ग |
| ५ | इतर मागास वर्ग | ३९ | इतर मागास वर्ग | ७३ | अनुसूचित जाती |
| ६ | सामाजिक आणि शैक्षणिक मागास वर्ग | ४० | खुला | ७४ | खुला |
| ७ | भटक्या जमाती (क) | ४१ | विमुक्त जाती (अ) | ७५ | इतर मागास वर्ग |
| ८ | आर्थिकदृष्टया दुर्बल घटक | ४२ | सामाजिक आणि शैक्षणिक मागास वर्ग | ७६ | आर्थिकदृष्टया दुर्बल घटक |
| ९ | इतर मागास वर्ग | ४३ | अनुसूचित जाती | ७७ | भटक्या जमाती (ड) |
| १० | खुला | ४४ | खुला | ७८ | खुला |
| ११ | भटक्या जमाती (ड) | ४५ | इतर मागास वर्ग | ७९ | इतर मागास वर्ग |
| १२ | अनुसूचित जाती | ४६ | आर्थिकदृष्टया दुर्बल घटक | ८० | सामाजिक आणि शैक्षणिक मागास वर्ग |
| १३ | खुला | ४७ | भटक्या जमाती (ब) | ८१ | अनुसूचित जाती |
| १४ | सामाजिक आणि शैक्षणिक मागास वर्ग | ४८ | खुला | ८२ | खुला |
| १५ | विशेष मागास प्रवर्ग | ४९ | इतर मागास वर्ग | ८३ | विमुक्त जाती (अ) |
| १६ | आर्थिकदृष्टया दुर्बल घटक | ५० | खुला | ८४ | खुला |
| १७ | इतर मागास वर्ग | ५१ | अनुसूचित जाती | ८५ | इतर मागास वर्ग |
| १८ | खुला | ५२ | खुला | ८६ | आर्थिकदृष्टया दुर्बल घटक |
| १९ | इतर मागास वर्ग | ५३ | अनुसूचित जमाती | ८७ | विशेष मागास प्रवर्ग |
| २० | खुला | ५४ | खुला | ८८ | सामाजिक आणि शैक्षणिक मागास वर्ग |
| २१ | अनुसूचित जाती | ५५ | इतर मागास वर्ग | ८९ | इतर मागास वर्ग |
| २२ | सामाजिक आणि शैक्षणिक मागास वर्ग | ५६ | आर्थिकदृष्टया दुर्बल घटक | ९० | खुला |
| २३ | अनुसूचित जमाती | ५७ | भटक्या जमाती (क) | ९१ | अनुसूचित जाती |
| २४ | खुला | ५८ | सामाजिक आणि शैक्षणिक मागास वर्ग | ९२ | खुला |
| २५ | इतर मागास वर्ग | ५९ | इतर मागास वर्ग | ९३ | अनुसूचित जमाती |
| २६ | आर्थिकदृष्टया दुर्बल घटक | ६० | खुला | ९४ | खुला |
| २७ | अनुसूचित जाती | ६१ | अनुसूचित जाती | ९५ | इतर मागास वर्ग |
| २८ | सामाजिक आणि शैक्षणिक मागास वर्ग | ६२ | खुला | ९६ | सामाजिक आणि शैक्षणिक मागास वर्ग |
| २९ | इतर मागास वर्ग | ६३ | अनुसूचित जमाती | ९७ | अनुसूचित जाती |
| ३० | खुला | ६४ | सामाजिक आणि शैक्षणिक मागास वर्ग | ९८ | आर्थिकदृष्टया दुर्बल घटक |
| ३१ | भटक्या जमाती (क) | ६५ | इतर मागास वर्ग | ९९ | भटक्या जमाती (ब)/(क) |
| ३२ | खुला | ६६ | सामाजिक आणि शैक्षणिक मागास वर्ग | १०० | खुला |
| ३३ | अनुसूचित जमाती | ६७ | अनुसूचित जाती | | |
| ३४ | खुला | ६८ | आर्थिकदृष्टया दुर्बल घटक | | |

Scanned by CamScanner

Scanned by CamScanner

## प्रवर्गनिहाय आरक्षित बिंदु

| अक्र | प्रवर्ग | आरक्षणाची टक्केवारी | बिंदु क्रमांक | |
|---|---|---|---|---|
| १ | अनुसूचित जाती | १३ % | १, १२, २१, २७, ३७, ४३, ५१, ६१, ६७, ७३, ८१, ९१, ९७ | |
| २ | अनुसूचित जमाती | ७ % | २, २३, ३३, ५३, ६३, ७१, ९३ | |
| ३ | विमुक्त जाती (अ) | ३% | ३, ४१, ८३, | |
| ४ | भटक्या जमाती (ब) | २.५% | ४, ४७ | ९९(ब/क) |
| ५ | भटक्या जमाती (क) | ३.५% | ७, ३१, ५७, | |
| ६ | भटक्या जमाती (ड) | २% | ११, ७७ | |
| ७ | विशेष मागास प्रवर्ग | २% | १५, ८७ | |
| ८ | इतर मागास प्रवर्ग | १९% | ५, ९, १७, १९, २५, २९, ३५, ३९, ४५, ४९, ५५, ५९, ६५, ६९, ७५, ७९, ८५, ८९, ९५ | |
| ९ | सामाजिक आणि शैक्षणिक मागास वर्ग | १३% | ६,१४,२२,२८,३६,४२,५०,५८,६४,७२,८०,८८,९६ | |
| १० | आर्थिकदृष्टया दुर्बल घटक | १०% | ८, १६, २६, ३८, ४६, ५६, ६८, ७६, ८६, ९८ | |
| ११ | खुला | २५% | १०,१३,१८,२०,२४,३०,३२,३४,४०,४४,४८,५०,५२,५४, ६०,६२,७०,७४,७८,८२,८४,९०,९२,९४,१००. | |

Scanned by CamScanner

Scanned by CamScanner

Notification of State Government regarding reservation in admission for SEBC category in all Non-Agricultural Educational Institute in Maharshtra.

महाराष्ट्र राज्यातील सर्व अकृषी विद्यापीठातील शैक्षणिक संस्थांमध्ये प्रवेशाकरिता मराठा समाजासह सामाजिक व शैक्षणिकदृष्ट्या मागास (एसईबीसी) वर्गांस जागा आरक्षित ठेवण्याबाबत...

**महाराष्ट्र शासन**
**उच्च व तंत्र शिक्षण विभाग**
**शासन परिपत्रक क्र. संकीर्ण-२०१९/प्र.क्र. २२/विशि-३**
हुतात्मा राजगुरू चौक, मादाम कामा मार्ग,
मंत्रालय, विस्तार भवन, मुंबई-४०० ०३२.
दिनांक:- ०९ जुलै, २०१९.

संदर्भ :-
१. विधी व न्याय विभागाचा सन २०१८ चा महाराष्ट्र अधिनियम क्रमांक ६२, दि. ३० नोव्हेंबर, २०१८.
२. सामान्य प्रशासन विभाग शासन निर्णय क्र.राआधो-४०१९/प्र.क्र.३१/१६-अ, दि. १२ फेब्रुवारी, २०१९.
३. विभागाचे समक्रमांकाचे दि. ०८ मार्च, २०१९ रोजीचे शासन परिपत्रक.
४. विधी व न्याय विभागाचा सन २०१९ चा महाराष्ट्र अधिनियम क्रमांक ७, दि. ३ जुलै, २०१९.

प्रस्तावना:-

महाराष्ट्र राज्यातील सामाजिक व शैक्षणिकदृष्ट्या मागास (एसईबीसी) नागरिकांच्या वर्गांच्या प्रगतीसाठी राज्यातील शैक्षणिक संस्थांमधील प्रवेशाकरिता जागांच्या आरक्षणासाठी आणि राज्याच्या नियंत्रणाखालील लोकसेवांमधील नियुक्त्यांच्या आणि पदांच्या आरक्षणासाठी आणि तत्संबंधित किंवा तद्नुषंगिक बाबींची तरतुद करण्यासाठीचा अधिनियम उपरोक्त संदर्भ क्र.१ अन्वये महाराष्ट्र शासनाच्या दि. ३० नोव्हेंबर, २०१८ च्या राजपत्रामध्ये प्रसिध्द करण्यात आलेला आहे. सदर अधिनियमातील मुद्दा क्र. ४ (१)(क), अन्वये राज्यातील अनुदानित तसेच विनाअनुदानित शैक्षणिक संस्थामधील प्रवेशाच्या एकूण १६% जागा मराठा समाजासह सामाजिक व शैक्षणिकदृष्ट्या मागास (एसईबीसी) नागरिकांच्या प्रवर्गासाठी आरक्षित करण्यात आल्या आहेत. तसेच संदर्भ क्र. २ च्या शासन निर्णयान्वये महाराष्ट्र राज्यातील खुल्या प्रवर्गातील आर्थिक दृष्ट्या दुर्बल घटकांसाठी शासकीय सेवा व शैक्षणिक संस्थांमध्ये प्रवेशाकरिता १०% जागा आरक्षित करण्याबाबत आदेश निर्गमित करण्यात आले आहेत. तसेच सदर शासन निर्णयातील मुद्दा क्र. ४ अन्वये शैक्षणिक संस्थांमध्ये प्रवेशाबाबतचे आवश्यक आदेश सर्व संबंधीत विभागांनी तात्काळ निर्गमित करण्याबाबत आदेशित करण्यात आले आहे. त्यास अनुसरुन राज्यातील अल्पसंख्यांक शैक्षणिक संस्थांखेरीज सर्व सार्वजनिक अकृषी विद्यापीठातील शैक्षणिक संस्थांमध्ये प्रवेशाकरिता मराठा समाजासह सामाजिक व शैक्षणिकदृष्ट्या मागास (एसईबीसी) वर्गास १६ % जागा तसेच खुल्या प्रवर्गातील आर्थिकदृष्ट्या दुर्बल घटकांसाठी १०% जागा आरक्षित ठेवण्याबाबत विभागाने संदर्भ क्र. ३ येथील दि. ०८ मार्च, २०१९ रोजी शासन परिपत्रक निर्गमित केले आहे.

Notification of State Government of reservation policy

भारतीय संविधानानुसार व मंडल आयोगाने
केलेल्या शिफारशीनुसार इतर मागासवर्गीयांना
[illegible] व संलग्नित शासकीय/अशासकीय
कला/वाणिज्य/विज्ञान/शिक्षणशास्त्र या शैक्षणिक
संस्थांमधील प्रवेशासाठी आरक्षण

## महाराष्ट्र शासन

उच्च व तंत्रशिक्षण आणि सेवायोजन विभाग,
शासन निर्णय क्रमांक : युएसजी–१४९३/(२४२८)/विशि–४
मंत्रालय विस्तार भवन, मुंबई–४०० ०३२.
दिनांक : २३ जून, १९९४.

**वाचा :** १. शासन निर्णय, शिक्षण विभाग क्र. एमआयएस–१०७४/१३०३–एम, दिनांक २७ जून, १९७४.

२. शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग क्र. बीसीसी–१०९३/२१६७/सीआर–१४१/९३/१६–ब, दिनांक २३ मार्च, १९९४.

३. शासन निर्णय उच्च व तंत्रशिक्षण आणि सेवायोजन विभाग क्र. युएसजी–१४९३ (२४२८)/विशि–४, दि. १० मे, १९९४.

४. शासन निर्णय, उच्च व तंत्रशिक्षण आणि सेवायोजन विभाग क्र. युएसजी–१४९३/(२४२८)/विशि–४, दि. १३ मे, १९९४.

**शासन निर्णय :** शासन निर्णय, शिक्षण विभाग क्र. एमआयएस–१०७४/१३०३–एम, दिनांक २७ जून, १९७४ अन्वये, शासकीय/अशासकीय शिक्षणसंस्थांमध्ये प्रवेशासाठी खालीलप्रमाणे आरक्षण विहित करण्यात आले आहे.

| | | |
|---|---|---|
| १. | अनुसूचित जाती आणि नवबौद्ध | १३% |
| २. | अनुसूचित जमाती (विनिर्दिष्ट भागाव्यतिरिक्त इतर भागातील धरून) | ७% |
| ३. | विमुक्त आणि भटक्या जमाती | ४% |
| ४. | इतर मागासवर्गीय | १०% |
| | एकूण | ३४% |

२. शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग क्र. बीसीसी–१०९३/२१६७/सीआर–१४१/९३/१६–ब, दिनांक २३–३–९४ अन्वये मंडल आयोगाच्या शिफारशीनुसार इतर मागासवर्गीयांना तसेच विमुक्त जाती व भटक्या जमातीकरिता खालीलप्रमाणे सुधारित आरक्षण विहित करण्यात आले आहे.

| | | |
|---|---|---|
| (अ) | विमुक्त जाती (१४ व तत्सम जाती) | ३% |
| (ब) | भटक्या जमाती (जानेवारी १९९० पूर्वीच्या २८ व तत्सम जाती) | २.५% |
| (क) | भटक्या जमाती (धनगर व तत्सम जमाती, यादी जोडल्याप्रमाणे) | ३.५% |
| (ड) | भटक्या जमाती (बंजारी व तत्सम जमाती, यादी जोडल्याप्रमाणे) | २% |
| (इ) | इतर मागासवर्गीय (ओ.बी.सी.) | १९% |
| | एकूण | ३०% |

३. शैक्षणिकसंस्थांमध्ये प्रवेश देण्यासाठी अपंग, संरक्षण सेवा, अनिवासी भारतीय, भारत सरकारचे नामनिर्देशित उमेदवार वगैरे विविध गटांकरितासुद्धा आरक्षण असते. तेव्हा या सर्व बाबींचा विचार करून मागासवर्गीयांच्या घटनेत मान्य गटांकरिता १९९४–९५ या शैक्षणिक वर्षापासून शासकीय/अशासकीय, अनुदानित व विना अनुदानित कला, वाणिज्य, विज्ञान, शिक्षणशास्त्र इत्यादि संस्थांमध्ये खालीलप्रमाणे राखीव जागांचे प्रमाण विहित करण्याचा शासनाने निर्णय घेतला आहे.

| | | |
|---|---|---|
| १. | अनुसूचित जाती व अनुसूचित जातीमधील बौद्धधर्म स्वीकारलेल्या व्यक्ती | १३% |
| २. | अनुसूचित जमाती | ७% |
| ३. | विमुक्त जाती (१४ तत्सम जाती) | ३% |
| ४. | भटक्या जमाती (जानेवारी १९९० पूर्वीच्या २८ व तत्सम जाती) | २.५% |
| ५. | भटक्या जमाती (धनगर व तत्सम जमाती, यादी जोडल्याप्रमाणे) | ३.५% |
| ६. | भटक्या जमाती (बंजारी व तत्सम जमाती, यादी जोडल्याप्रमाणे) | २% |
| ७. | इतर मागासवर्गीयांकरिता (ओ.बी.सी.) | १९% |
| | एकूण | ५०% |

४. सदर आरक्षण प्रवेश संस्थेमध्ये अभ्यासक्रमनिहाय असेल आणि ते मुक्त आणि मूल्याधारित जागांकरिता त्यांच्या त्यांच्या प्रमाणात असेल.

५. आरक्षित जागा या प्रथमतः भरण्यात याव्यात. मात्र आरक्षित जागांवर प्रवेश मिळाला तरी गुणवत्तेनुसार त्या उमेदवाराच्या अभ्यासक्रम किंवा संस्था याबाबतच्या काही किंवा सर्व फक्त वरच्या पसंतीकरिता अराखीव जागांमधून प्रवेश देण्यासाठी त्यांच्या विनंतीनुसार पुनर्विचार करण्यात यावा.

६. शैक्षणिकसंस्थांमध्ये प्रवेश देताना एखाद्या प्रवर्गाचा उमेदवार न मिळाल्यास ते आरक्षण अनुशेष म्हणून पुढे ओढण्यात येत नसल्यामुळे व ते त्याच वर्षी भरावयाचे असल्यामुळे मागासवर्गाच्या इतर गटातील उमेदवारांना प्रवेश देऊन आरक्षण पूर्ण करण्यात यावे. यासाठी दिनांक २७ जून, १९७४ च्या परिच्छेद २ मध्ये दिलेल्या मार्गदर्शक तत्त्वानुसार कार्यवाही करण्यात यावी. मात्र अदलाबदलीने इतर प्रवर्गातून भरण्याची तरतूद करताना अशातऱ्हेने उपलब्ध मागासवर्गीयांची संख्या मूळ आरक्षण अधिक अदलाबदलीने झालेले विद्यार्थी यांची संख्या धरून ५०% पेक्षा अधिक असणार नाही.

७. मंडल आयोगाच्या शिफारशीनुसार "क्रीमीलेयर" चे तत्त्व केंद्र शासनाने मान्य केले आहे. यासंदर्भात सविस्तर आदेश, समाजकल्याण, सांस्कृतिक कार्य, क्रीडा व पर्यटन विभागाकडून निर्गमित करण्यात आलेले आहेत. समाजकल्याण, सांस्कृतिक कार्य, क्रीडा व पर्यटन विभागाच्या आदेशाप्रमाणे पुढील कार्यवाही करण्यात यावी.

महाराष्ट्राचे राज्यपाल यांच्या आदेशानुसार व नावाने,

(मा. ना. कांबळे)
अवर सचिव, महाराष्ट्र शासन

भटक्या जमाती "क"

धनगर व त्यांच्या तत्सम जातींची यादी

धनगर :—(१) अहिर, (२) डांगे, (३) गटारी, (४) हंडे, (५) तेलवर, (६) हटकर (७) हाटकर, (८) शेगर, (९) खुटेकर, (१०) सेलंगी, (११) तेल्लारी, (१२) कोकणी-धनगर, (१३) कानडे, (१४) वऱ्हाडे-धनगर, (१५) झाडे, (१६) झेडे, (१७) कुरमार, (१८) माहूरे, (१९) लाडसे, (२०) सनगर, (२१) धनगर.

(सीबीसी–१०८९/(२०३)/मावक–५, दि. २५ मे, १९९० अन्वये)

भटक्या जमाती "ड"

वंजारी व तत्सम जातींची यादी

वंजार, वंजारा, वंजारी.

पु.वि.मु.—५००-८-९५ (११२०)

(५८)

उच्च व तंत्रशिक्षण आणि सेवायोजन
विभागाच्या अधिपत्याखालील सर्व शैक्षणिक
संस्थांमधून "विशेष मागास प्रवर्गाकरिता"
राखीव जागा ठेवणेबाबत

Notification of State Government of reservation policy

# महाराष्ट्र शासन

उच्च व तंत्रशिक्षण आणि सेवायोजन विभाग
शासन निर्णय क्रमांक : युएसजी–१४९३/(२४२८)–विशि–४
मंत्रालय विस्तार भवन, मुंबई–४०० ०३२

दिनांक : २२ जून, १९९५

वाचा : (१) शासन निर्णय, उच्च व तंत्रशिक्षण आणि सेवायोजन विभाग क्र. युएसजी–१४९३/२४२८/विशि–४, दि. २३ जून, १९९४ व समक्रमांकित शुद्धिपत्रक दिनांक–जुलै १९९४.

(२) शासन निर्णय, समाजकल्याण सांस्कृतिक कार्य व क्रीडा विभाग क्र. सीबीसी–१४९४/प्र. क्र. २३६/मावक–५ दिनांक १३ जून, ९५ व समक्रमांकित शुद्धिपत्रक दिनांक १५ जून, १९९५.

(३) शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग क्र. बीसीसी–१०९४/प्र. क्र. ६८/९४/१६–ब, दिनांक १५ जून, १९९५.

१. **शासन निर्णय** : राज्यातील अनुसूचित जाती व अनुसूचित जमाती म्हणून विवक्षितपणे घोषित करण्यात आलेले जनसमुदाय वगळता अन्य काही जातीजमातीकडून सामाजिक, आर्थिक व शैक्षणिक दृष्ट्या मागासलेल्या कारणावरून विशेष सवलत देण्याची मागणी लक्षात घेता, शासन निर्णय, समाजकल्याण, सांस्कृतिक कार्य व क्रीडा विभाग क्रमांक सीबीसी–१४९४/प्र. क्र. २३६/मावक–५, दिनांक १३ जून, १९९५ व समक्रमांकित शुद्धिपत्रक दिनांक १५ जून, १९९५ मध्ये विशिष्ट जातींना "विशेष मागास प्रवर्ग" यामध्ये समावेश करण्याबाबतचे आदेश निर्गमित करण्यात आले आहेत. ज्या जातींचा "विशेष मागास प्रवर्ग" मध्ये समावेश करण्यात आला आहे त्याची यादी परिशिष्ट "अ" मध्ये देण्यात आली आहे.

२. शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग क्र. बीसीसी–१०९४/प्र. क्र. ६८/९४/१६–ब दिनांक १५ जून, १९९५ अन्वये "विशेष मागास प्रवर्गा" साठी २% आरक्षण शासकीय/निमशासकीय सेवेत ठेवण्याबाबतचे आदेश निर्गमित केले आहेत.

३. शासन निर्णय, उच्च व तंत्रशिक्षण आणि सेवायोजन विभाग क्र. युएसजी–१४९३/(२४२८) विशि–४, दिनांक २३ जून, १९९४ व समक्रमांकित शुद्धिपत्र दिनांक–जुलै, ९४ अन्वये इतर मागास वर्गासाठी अकृषि विद्यापीठे व संलग्नित शासकीय/अशासकीय कला, विज्ञान, वाणिज्य, शिक्षणशास्त्र व इतर शैक्षणिक संस्था यामधून प्रवेशासाठी आरक्षण ठेवण्याबाबतचे आदेश निर्गमित करण्यात आले आहेत. या आदेशानुसार शैक्षणिक संस्थांमध्ये राखीव जागा ५०% या प्रमाणात ठेवण्यात आलेल्या आहेत. आता काही विशिष्ट जाती जमातींचा "विशेष मागास प्रवर्गा"त समावेश करण्यात आलेला असल्यामुळे या प्रवर्गाकरिता २% जागा उच्च व तंत्रशिक्षण विभागाचे अधिपत्याखालील सर्व शैक्षणिक संस्थांमधून या आदेशान्वये राखून ठेवण्यात येत आहे. "विशेष मागास प्रवर्गा" करिता राखून ठेवण्यात आलेल्या २% जागा वाढल्याने आता शैक्षणिक संस्थांमधून राखीव जागांचे प्रमाण खालीलप्रमाणे राहील :

| | | |
|---|---|---|
| (१) | अनुसूचित जाती व अनुसूचित जाती मधील बौद्धधर्म स्वीकारलेल्या व्यक्ती | १३% |
| (२) | अनुसूचित जमाती | ७% |
| (३) | विमुक्त जाती (१४ तत्सम जाती) | ३% |
| (४) | भटक्या जमाती (जानेवारी १९९० पूर्वीच्या २८ व तत्सम जाती) | २.५% |
| (५) | भटक्या जमाती (धनगर व तत्सम जमाती) | ३.५% |
| (६) | भटक्या जमाती (वंजारी व तत्सम जमाती) | २% |
| (७) | इतर मागास वर्गीयांकरिता (ओ. बी. सी.) | १९% |
| (८) | विशेष मागास प्रवर्ग | २% |
| | एकूण | ५२% |

हे आदेश १९९५–९६ या शैक्षणिक वर्षापासून लागू करण्यात येत आहेत.

४. सदर आरक्षण प्रत्येक संस्थांमध्ये अभ्यासक्रम निहाय असेल आणि ते मुक्त आणि मूल्याधारित भागाकरिता त्यांच्या त्यांच्या प्रमाणात असेल.

आरक्षित जागा या प्रथमतः भरण्यात याव्यात. मात्र आरक्षित जागांवर प्रवेश मिळाला तरी गुणवत्तेनुसार त्या उमेदवारांच्या अभ्यासक्रम किंवा संस्था याबाबतच्या काही किंवा सर्व फक्त वरच्या पसंतीकरीता अराखीव जागांमधून प्रवेश देण्यासाठी त्यांच्या विनंतीनुसार पुनर्विचार करण्यात यावा.

५. शैक्षणिक संस्थांमध्ये प्रवेश देताना एखादा प्रवर्गाचा उमेदवार न मिळाल्यास ते आरक्षण अनुशेष म्हणून पुढे ओढण्यात येत नसल्यामुळे व ते त्याच वर्षी भरावयाचे असल्यामुळे मागासवर्गीयांच्या इतर गटातील उमेदवारांना प्रवेश देवून आरक्षण पूर्ण करण्यात यावे. यासाठी दिनांक २७ जून, १९७४ च्या परिच्छेद २ मध्ये दिलेल्या मार्गदर्शक तत्वानुसार कार्यवाही करण्यात यावी. मात्र अदलाबदलीने इतर प्रवर्गातून भरण्याची तरतूद करताना अशा तऱ्हेने उपलब्ध मागासवर्गीयांची संख्या मूळ आरक्षण अधिक अदलाबदलीने झालेले विद्यार्थी यांची संख्या धरुन ५२% पेक्षा अधिक असणार नाही.

६. शैक्षणिक वर्ष १९९५–९६ सुरु असल्यामुळे "विशेष मागास प्रवर्गा" त असणाऱ्या जातीमधून प्रवेश घेणाऱ्या विद्यार्थ्यांकरिता त्यांनी ३१ जुलै, १९९५ पर्यंत शासन निर्णय, समाजकल्याण, सांस्कृतिक कार्य व क्रीडा विभाग क्र. सीबीसी–१४९४/प्र. क्र. २३६/मावक–५, दिनांक १३ जून, १९९५ च्या जोडलेल्या परिशिष्ट "अ" मधील विवरण पत्रात जातीचे प्रमाणपत्र सक्षम अधिकाऱ्याकडून घेऊन संबंधित संस्थाप्रमुखांकडे सादर करणे बंधनकारक राहील. वरील तारखेपर्यंत जर या प्रवर्गातील विद्यार्थी त्यांच्या जातीचे प्रमाणपत्र शैक्षणिक संस्थाप्रमुखांना सादर करु शकले नाहीत तर, त्यांचा या राखीव जागांवर हक्क राहणार नाही. याचीही नोंद घेणे आवश्यक आहे.

७. शिक्षण संचालक (उच्च शिक्षण), महाराष्ट्र राज्य, पुणे यांना विनंती करण्यात येते की, हे आदेश सर्व शैक्षणिक संस्थाचालकांच्या निदर्शनास आणून द्यावेत.

हे आदेश सामान्य प्रशासन विभागाच्या व समाजकल्याण, सांस्कृतिक कार्य व क्रीडा विभागाच्या संमतीने निर्गमित करण्यात येत आहेत.

महाराष्ट्राचे राज्यपाल यांच्या आदेशानुसार व नावाने.

कि. ब. सेन
उप सचिव, महाराष्ट्र शासन

## परिशिष्ट—"अ"

शासन निर्णय, समाजकल्याण, सांस्कृतिक कार्य व क्रीडा विभाग क्रमांक सीबीसी–१४९४/प्र. क्र. २३६/मावक–५, दिनांक १३ जून, १९९५ व समक्रमांकित शुद्धिपत्र दिनांक १५ जून, १९९५ अन्वये "विशेष मागास प्रवर्ग" अंतर्गत करण्यात आलेली जातीची यादी.

| अ. क्र. | जातीचे नाव |
|---|---|
| १. | गोवारी, गवारी. |
| २. | माना. |
| ३. | (१) कोष्टी, (२) हलबा कोष्टी, (३) हलबा जाव, (४) साळी, (५) लाडकोष्टी, (६) गढेवाल कोष्टी, (७) देशकर, (८) सालेवार, (९) पद्मशाली, (१०) देवांग, (११) कोष्टी बंध, (१२) पटवीस, (१३) सतसाले, (१४) साडे, (१५) जैनकोष्टी. |
| ४. | (१) कोळी, तत्सम जाती, (२) मच्छिमार कोळी, (३) अहीर कोळी, (४) खानदेशी कोळी, (५) पानकोळी, (६) ख्रिश्चन कोळी, (७) चुंबळे कोळी, (८) पानभरे कोळी, (९) सूर्यवंशी कोळी, (१०) मगिला कोळी, (११) सोनकोळी, (१२) वैती कोळी, (१३) खारवी, (१४) अनुसूचित जमातीमध्ये समावेश नसलेले कोळी. |
| ५. | (१) मुन्नेरवार, (२) मुन्नुरवार, (३) मुन्नुर, (४) तेलगु मुन्नुर, (५) मुन्नुरवार तेलगु, (६) मुन्नरकापू, (७) कापेवार, (८) तेलगु कापेवार, (९) मुन्नरवाड, (१०) तेलगु फुलमाळी, या जाती. |

## पुणे विद्यापीठ, पुणे ७

संदर्भ क्र. आरक्षण / ४२ / ५३३

आरक्षण कक्ष
दिनांक : २२–७–९५.

मा. प्राचार्य / संचालक,
सर्व संलग्न महाविद्यालये,
सर्व मान्यताप्राप्त संस्था.

महोदय,

वरील शासन निर्णय आपणांकडे माहितीसाठी व योग्य त्या कार्यवाहीसाठी पाठवीत आहे.

कळावे,

आपला विश्वासू,
सही/–
उपकुलसचिव,
आरक्षण कक्ष

पु.वि.मु. —५००–८–९५ (१०६९)

उच्च व तंत्रशिक्षण आणि सेवायोजन विभागाच्या
अधिपत्याखालील सर्व शैक्षणिक संस्थांमधून
मागास प्रवर्गांकरिता राखीव जागा ठेवण्याबाबत

Notification of State Government of Reservation Policy

**महाराष्ट्र शासन**

**उच्च व तंत्रशिक्षण आणि सेवायोजन विभाग**

**शासन शुद्धिपत्र क्रमांक - यूएसजी-१४९३/[२४२८]/विशि-४**

**मंत्रालय विस्तार भवन, मुंबई-४०००३२.**

दिनांक : ७ फेब्रुवारी, १९९६.

वाचा :—(१) शासन निर्णय, उच्च व तंत्रशिक्षण आणि सेवायोजन विभाग क्र. यूएसजी-१४९३/२४२८/विशि-४, दि. २३ जून, १९९४ व समक्रमांकित शुद्धिपत्र दिनांक १२ जुलै, १९९४

(२) शासन निर्णय समाजकल्याण, सांस्कृतिक कार्य व क्रीडा विभाग क्रमांक - सीबीसी-१४९४/प्र. क्र. २३६/मावक-५, दि. १३ जून, १९९५ व समक्रमांकित शुद्धिपत्रक दि. १५ जून १९९५.

(३) शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग क्र. बीसीसी-१०९४/प्र. क्र. ६८/९४/१६-ब, दिनांक १५ जून १९९५.

(४) शासन निर्णय, क्रमांक-यूएसजी-१४९३/[२४२८]/विशि-४, दिनांक २२ जून १९९५.

**शासन शुद्धिपत्रक :** शासन निर्णय, उच्च व तंत्रशिक्षण आणि सेवायोजन विभाग क्रमांक-यूएसजी-१४९३/[२४२८]/विशि-४, दि. २२ जून १९९५ च्या परिच्छेद ४ व ५ मध्ये खालीलप्रमाणे सुधारणा करण्यात येत आहेत.

२. परिच्छेद-४ : सदर आरक्षण प्रत्येक संस्थेमध्ये अभ्यासक्रमनिहाय असेल आणि ते मुक्त आणि मूल्याधारित जागांकरिता त्यांच्या त्यांच्या प्रमाणात असेल.

तंत्रशिक्षण विभाग वगळता इतर शैक्षणिक विभागांतर्गत येणाऱ्या बिगरराखीव जागा या प्रथमतः भरण्यात याव्यात यामध्ये गुणवत्तेनुसार असणाऱ्या मागासवर्गीय विद्यार्थ्यांनादेखील समावेश अराखीव उमेदवार म्हणून असेल. या विद्यार्थ्यांचा समावेश आरक्षणामध्ये करण्यात येऊ नये. यासाठी विद्यार्थ्यांनी आपला प्रवेश अराखीव म्हणून समजण्यासाठी पसंती कळविण्याचा प्रश्न उद्‌भवत नाही. उर्वरित जागा आरक्षणानुसार भरण्यात याव्यात, असे करताना शैक्षणिक संस्थांमध्ये मागासवर्गीय विद्यार्थ्यांचे प्रमाण ५२% पेक्षा अधिक झाले तर त्यास कोणतीही हरकत नाही.

परिच्छेद-५ मधील "मात्र बदलाबदलीने इतर प्रवर्गातून/पासून ५२% पेक्षा अधिक असणार नाही" हे शेवटचे वाक्य पूर्णतः वगळण्यात यावे.

४. हे शुद्धिपत्रक सामान्य प्रशासन विभागाच्या संमतीने निर्गमित करण्यात येत आहे.

महाराष्ट्राचे राज्यपाल यांच्या आदेशानुसार व नावाने.

सही/- **अ. मा. भट्टलवार**
अवरसचिव, महाराष्ट्र शासन

**पुणे विद्यापीठ**
**पुणे-७**

संदर्भ : आरक्षण/४२/१२५

आरक्षण कक्ष
दि. ४-३-९६

मा. प्राचार्य/मा. संचालक,
सर्व संलग्न महाविद्यालये/मान्यताप्राप्त संस्था.

महोदय,

वरील शासन निर्णय आपणाकडे माहितीसाठी व योग्य त्या कार्यवाहीसाठी पाठवीत आहे.

कळावे.

आपला विश्वासू,

सही/-
उपकुलसचिव (आरक्षण कक्ष)

पु.वि.मु.—५००—३—९६ (२८५४) [m-3]

उच्च व तंत्र शिक्षण आणि सेवायोजन विभागातील
अधिपत्याखाली सर्व तंत्र शिक्षण संस्थामधून
" विशेष मागास प्रवर्गाकरिता " राखीव जागा'
ठेवणेबाबत.

Notification of State Government of Reservation Policy

## महाराष्ट्र शासन

उच्च व तंत्र शिक्षण आणि सेवायोजन विभाग

शासन शुद्धिपत्रक क्रमांक विशएस ३३९५/११४०७/(६९४०) ताशि १

मंत्रालय विस्तार भवन, मुंबई–४०० ०३२.

दिनांक २१ मार्च, १९९६

संदर्भ :—(१) शासन निर्णय, उच्च व तंत्र शिक्षण आणि सेवायोजन विभाग
क्रमांक : युएसजी १४९३/(२४२८) विशि–४
दिनांक २२ जून, १९९५

**शासन शुद्धिपत्रक :—**

संदर्भाधीन दिनांक २२ जून, १९९५ च्या शासन निर्णयान्वये शासकीय/अनुदानित/विद्यापीठ व्यवस्थापित/विना अनुदानित संस्थांतील अभियांत्रिकी/वास्तुशास्त्र/औषधनिर्माण शास्त्र वा व्यवस्थापन शास्त्र इत्यादी व्यावसायिक विद्याशाखांच्या पदवी/पदविका अभ्यासक्रमाच्या प्रथम वर्षाचे प्रवेश करण्यासाठी मागासवर्गीयाकरिता आरक्षणाचे प्रमाण शासनाने यापूर्वीच खालीलप्रमाणे विहित केले आहे.

| | | |
|---|---|---|
| (१) | अनुसूचित जाती व अनुसूचित जातीतील बौद्ध धर्म स्वीकारलेल्या व्यक्ती | १३ टक्के |
| (२) | अनुसूचित जमाती | ७ टक्के |
| (३) | विमुक्त जाती (१४ तत्सम जाती) | ३ टक्के |
| (४) | भटक्या जमाती (जानेवारी १९९० पूर्वीच्या २८ व तत्सम जमाती) | २.५ टक्के |
| (५) | भटक्या जमाती (धनगर व तत्सम जमाती) | ३.५ टक्के |
| (६) | भटक्या जमाती (बंजारी व तत्सम जमाती) | २ टक्के |
| (७) | इतर मागासवर्गीय (ओ.बी.सी.) | १९ टक्के |
| (८) | विशेष मागासवर्गीय प्रवर्ग (एस.बी.सी) | २ टक्के |
| | एकूण : | ५२ टक्के |

संदर्भाधीन दिनांक २२ जून, १९९५ च्या शासन निर्णयातील परिच्छेद ४, ५ व ६ मध्ये खालीलप्रमाणे सुधारणा करण्यात येत आहेत :—

१. परिच्छेद क्र. ४ :—उपरोक्त आरक्षण प्रत्येक संस्थेस अभ्यासक्रमनिहाय असेल व ज्या अभ्यासक्रमांच्या प्रवेश पद्धतीत मुक्त व मुल्यभारीत प्रकाराच्या जागा असतात त्या अभ्यासक्रमाच्या प्रवेशासाठी प्रत्येक प्रकारास त्या त्या प्रमाणात लागू पडेल.

परिच्छेद क्र. ५ :—संवर्गनिहाय आरक्षित जागा प्रथमत: भरण्यात याव्यात. एखाद्या मागासवर्गीय संवर्गातून उमेदवार उपलब्ध नसतील तर त्या संवर्गातील रिक्त जागा उर्वरीत संवर्गाच्या एकत्रित यादीतील गुणवत्तानुक्रमानुसार पूर्व नियोजित वेळी उपस्थित राहणाऱ्या उमेदवारांचा त्यांच्या विनंतीवरुन दुसऱ्या चांगल्या पसंतीच्या जागेवर प्रवेश बदल देण्यासाठी पुर्नविचार करण्यात यावा.

मागासवर्गीयांसाठी आरक्षित असलेल्या जागांवर प्रवेश घेतलेले उमेदवार सर्वसाधारण गुणवत्तानुक्रमानुसार खुल्या जागांवरील प्रवेशासाठी देखील पात्र राहतील. खुल्या जागेवर प्रवेश देतांना पूर्वीची संस्था अभ्यासक्रम तसाच अबाधित राहत असेल तर सर्व सवलतीसह अशा प्रवेशांची समस्तरपालट करण्यात येऊन अशा उमेदवारांना खुल्या जागांवर प्रवेश मिळाला आहे असे समजण्यात यावे. त्यासाठी उमेदवाराने उपस्थित राहण्याची किंवा पसंती/इच्छा कळविण्याचा प्रश्न उद्भवणार नाही. परंतु राखीव जागेवर प्रवेश झाला त्याक्षणी स्वत:चे पसंतीनुसार उपलब्ध नसलेल्या जागेवर खुल्या संवर्गातून प्रवेश मिळण्यासाठी पुर्नविचार व्हावा अशी इच्छा असेल तर मात्र उमेदवारास खुल्या जागांसाठी होणाऱ्या प्रवेश प्रक्रियेच्या पूर्वनियोजित वेळापत्रकानुसार आपल्या सर्वसामान्य गुणवत्तानुक्रमानुसार उपस्थित राहणे आवश्यक राहील. अन्यथा अशा प्रवेश पालटासाठी त्यांचा पुर्नविचार करता येणार नाही.

परिच्छेद क्र. ६ :—मागासवर्गीय उमेदवारांचे सर्वसाधारण गुणवत्तानुक्रमानुसार खुल्या जागांसाठी प्रवेश करतांना संस्थेत/अभ्यासक्रमात मागासवर्गीय विद्यार्थ्यांचे प्रमाण शासन निर्धारित प्रमाणापेक्षा अधिक झाले तर त्यास कोणतीही हरकत राहणार नाही.

२. हे शुद्धिपत्रक सामान्य प्रशासन विभागाच्या संमतीने निर्गमित करण्यात येत आहे.

महाराष्ट्राचे राज्यपाल यांच्या आदेशानुसार व नांवाने.

(ओं. शि. बिहाडे)
सहसचिव, महाराष्ट्र शासन

**पुणे विद्यापीठ, पुणे ७**

संदर्भ क्र. आरक्षण / ४२ / ३७०

आरक्षण कक्ष
दिनांक : ८–७–९६.

मा. प्राचार्य / संचालक,
सर्व संलग्न महाविद्यालये, / मान्यताप्राप्त संस्था.

महोदय,

वरील शासन निर्णय आपणांकडे माहितीसाठी व योग्य त्या कार्यवाहीसाठी पाठवीत आहे.

कळावे,

आपला विश्वासू,
सही/–
उपकुलसचिव,
आरक्षण कक्ष

पु. वि. मु.—५००–७–९६ (६१७)

Notification of State Government for not exceeding total reservation beyond 50%

सवैधानिक आरक्षण ५० टक्क्यांपेक्षा जास्त
होऊ न देण्याबाबत

महाराष्ट्र शासन
उच्च व तंत्रशिक्षण विभाग.
शासन निर्णय क्र. टीईएम ३३९७/१२९२६/(९०८६)/तांशि-१
मंत्रालय विस्तार भवन, मुंबई-४०००३२.
दिनांक : ११ जुलै, १९९७.

संदर्भ:- १) शासन निर्णय उच्च व तंत्रशिक्षण आणि सेवायोजन विभाग क्र.युएसजी १४९३/२४२८/विशि ४. दि.२३ जून,१९९४ व समक्रमांकित शुध्दिपत्रक दि. जुलै,१९९४.
२) शासन निर्णय समाजकल्याण, सांस्कृतिक कार्य व क्रिडा विभाग क्र.सीबीसी १४९४/प्र.क्र.२३८/मावक-५, दि.१३ जून,१९९५ व समक्रमांकित शुध्दिपत्रक दि.१५ जून,१९९५.
३) शासन निर्णय क्र.सामान्य प्रशासन विभाग क्र.बीसीसी १०९४/प्र.क्र.६८/९४/१६-ब, दि.१५ जुन, १९९५ व शुध्दिपत्रक दि.२१ मार्च,१९९६.
४) शासन निर्णय उच्च व तंत्रशिक्षण आणि सेवायोजन विभाग क्र.युएसजी १४९३/२४२८/विशि-४, दि.२२ जुने, १९९५.
५) अतिरिक्त सरकारी वकील, मुंबई उच्च न्यायालय, मुंबई यांचे पत्र क्र.एडीजीएल/डब्ल्युपी/एसएसजी. दि.१० ६.१९९६

**प्रस्तावना:-**

शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग क्र.बीसीसी १०९३/१६७/सीआर-१४१/४१/९३/१६-ब, दि. २३ मार्च, १९९४ अन्वये विविध मागास प्रवर्गासाठी एकूण ५० टक्के आरक्षण विहित करण्यात आले होते. नंतर सामाजिकदृष्ट्या व शैक्षणिकदृष्ट्या मागासलेल्या काही जातींच्या विकासासाठी काही सवलती व उपाययोजना करणे आवश्यक असल्यामुळे शासन निर्णय सामान्य प्रशासन विभाग क्र.बीसीसी १०९४/प्र.क्र.६८/९४/१६-ब,' दि.८ डिसेंबर, १९९४ चे परिशिष्ट अ मध्ये नमूद केलेल्या जातींसाठी एक स्वतंत्र 'विशेष मागास प्रवर्ग' असे संबोधण्यात येऊन त्यांच्यासाठी २ (दोन) टक्के आरक्षण ठेवण्यात आले होते. तसेच या प्रवर्गासाठी क्रिमिलीयरचे तत्व लागु नाही हेही स्पष्ट करण्यात आले होते.

दि. ८ डिसेंबर, १९९४ च्या सामान्य प्रशासन विभागाच्या शासन आदेशास अनुसरुन उच्च व तंत्रशिक्षण विभागाने 'विशेष मागास प्रवर्गासाठी' २ टक्के आरक्षण ठेवून शासन निर्णय क्र.युएसजी १४९३/ (२४२८)/विशि-४, दि.२२ जून, १९९५ अन्वये विविध आरक्षणाबाबत आदेश निर्गमित केले आहेत. सदर निर्णयाद्वारे विशेष मागास प्रवर्गासाठी २ टक्के आरक्षणाची तरतूद करण्यात आली असून एकूण आरक्षण ५२ टक्के विहित केले आहे.

'भारतीय संविधान अनुच्छेद १४ तसेच १६ अन्वये सर्व प्रवर्गातील घटकांना समानता व समान संधी मिळावी' म्हणून मा. सर्वोच्च न्यायालयाने १९९३ साली मागासवर्गीय प्रवर्गासाठी आरक्षण ५० टक्क्यापेक्षा जास्त असू नये असा निवाडा दिला आहे.

रिट याचिका क्र. २९८९/१९९७, श्री. पांडुरंग एस. पखाले विरुध्द महाराष्ट्र शासन व इतर. या प्रकरणी सुनावणी सुरु असताना मा. उच्च न्यायालयाच्या मुंबई खंडपीठाने अभियांत्रिकी पदवी अभ्यासक्रमाच्या १९९७-९८ या शैक्षणिक वर्षाच्या प्रवेश नियमावलीत संवैधानिक आरक्षणासाठी केलेली ५२ टक्के जागांची तरतुद मा. सर्वोच्च न्यायालयाने इंद्रा सॉहनी विरुध्द केंद्र या प्रकरणी १९९३ साली दिलेल्या निवाड्यानुसार नसल्यामुळे कायदेशीर नसल्याचे शासनाचे निदर्शनास आणून दिले आहे. (संदर्भ: १९९३-मा. सर्वोच्च न्यायालय ए.आर.-पृ.क्र.४७७, शीर्ष टिप्पणी (डब्ल्यु) प्रवेश नियमावलीतील राज्य शासनाने संवैधानिक आरक्षणासाठी केलेली ५२ टक्के जागांची तरतूद ही मा. सर्वोच्च न्यायालयाचा अवमान ठरु शकते असेही मा. उच्च न्यायालयाने स्पष्ट केले आहे. यावर संवैधानिक आरक्षणाचे प्रमाण ५२ टक्क्यावरुन ५० टक्के करण्याबाबतचे आदेश तात्काळ निर्गमित करण्यात येतील असे शासनातर्फे प्रतिपादन केल्यानंतर मा. उच्च न्यायालयाने समाधान व्यक्त केले असून उपरोक्त संदर्भात शासन आता खालीलप्रमाणे आदेश देत आहे.

## शासन निर्णय:-

शासन आता या शासन निर्णयाद्वारे असे आदेश देत आहे की, उच्च व तंत्रशिक्षण विभागाच्या अधिपत्याखाली येत असलेल्या सर्व शैक्षणिक संस्थांतील अभ्यासक्रमांच्या प्रवेशासाठी या विभागाने निर्गमित केलेल्या शासन निर्णय क्र. युएसजी १४९३/(२४२८)/विशि-४, दि.२२ जून, १९९५ अन्वये विशेष मागास प्रवर्गाकरिता राखून ठेवण्यात आलेल्या २ टक्के जागांचे आरक्षणाबाबत पुढील आदेशापर्यंत खालीलप्रमाणे कार्यवाही करण्यात येत आहे. हे आदेश १९९७-९८ या शैक्षणिक वर्षापासून लागू करण्यात येत असून तात्काळ अंमलात येतील व उच्च व तंत्रशिक्षण विभागांतर्गत शैक्षणिक संस्थांतील सर्व विद्या शाखांतील अभ्यासक्रमांच्या प्रवेशासाठी लागू राहतील.

१. विशेष मागास प्रवर्गात ज्या जाती आहेत त्यापैकी काही जाती इतर मागासवर्गीयांमध्ये समाविष्ट होत्या. त्यामुळे गुणवत्तेच्या विशेष मागास प्रवर्गाचे प्रमाणपत्र धारक उमेदवारांची जात ज्या मागास प्रवर्गामध्ये समाविष्ट होती, त्या मागास प्रवर्गाच्या आरक्षणासाठी पात्र समजण्यात यावी.

२. भारतीय संविधानानुसार मंडल आयोगाने केलेल्या शिफारशीनुसार शासन निर्णय, उच्च व तंत्रशिक्षण आणि सेवायोजन विभाग क्र.टीइएम १०९४/(६३०३)/तांशि-१, दि.३ जून, १९९४ मधील परिच्छेद क्र.४ मध्ये विहित केल्याप्रमाणे एकूण ५० टक्के जागा आरक्षित करण्यात याव्यात. सदर आरक्षण प्रत्येक संस्थेमध्ये अभ्यासक्रम निहाय राहील. मुक्त (मेरीट सीटस्) तसेच मूल्याधारित (पेमेंट सीटस्) जागांकरिता त्यांच्या त्यांच्या प्रमाणात असावे.

११

३. गुणवत्ता यादीनुसार प्रवेश प्रक्रिया झाल्यानंतर जर कोणत्याही मागासवर्गीय प्रवर्गासाठी आरक्षित असलेल्या जागांपैकी काही जागा रिक्त राहिल्या तर त्या जागांवर एकूण प्रवेश क्षमतेच्या जास्तीत जास्त २ टक्के पर्यंत प्रवेशासाठी विशेष मागास प्रवर्गीय उमेदवारांना प्रवेशासाठी प्राधान्य देण्यात यावे.

४. रिक्त जागांवर विशेष मागास प्रवर्गातील उमेदवारांना कमाल २ टक्के जागांवर प्रवेश दिल्यानंतर जर जागा रिक्त राहिल्या तर त्या जागा इतर सर्व मागासवर्गीय प्रवर्गातील उमेदवारांची गुणवत्तेनुसार सरमिसळ करून भरण्यात याव्यात.

२. शासन यापुढे असेही आदेश देत आहे की, १९९७-९८ या शैक्षणिक वर्षासाठी ज्या अभ्यासक्रमाची प्रवेश प्रक्रिया सुरु झाली असेल व दि.१.७.१९९७ रोजी किंवा तत्पूर्वी या विभागाच्या दि.२२ जून, १९९५ च्या शासन निर्णयानुसार प्रवेश देण्यात आले असतील तर त्याबाबत पुढील कार्यवाही करण्यात यावी:-

१. विशेष मागासवर्ग प्रवर्गांतर्गत करण्यात आलेल्या प्रवेशास बाधा न आणता पुढील प्रवेश प्रक्रियेत काही कारणास्तव होणाऱ्या रिक्त जागांवर ५० टक्के आरक्षित जागा जुळवून घ्याव्यात.

२. संवैधानिक आरक्षण कुठल्याही परिस्थितीत ५० टक्क्यांपेक्षा जास्त होणार नाही याची दक्षता घ्यावी.

महाराष्ट्राचे राज्यपाल यांच्या आदेशानुसार व नावाने,

( ओं. शि. विहाडे )
शासनाचे सहसचिव.

---

पुणे विद्यापीठ, गणेशखिंड
पुणे - ४११ ००७.

आरक्षण कक्ष
दि. २२.७.९७

संदर्भ :- आरक्षण/४७/४७३

प्रति,

१. मा.प्राचार्य/संस्था प्रमुख, सर्व महाविद्यालये, सर्व मान्यताप्राप्त संस्था
२. मा.विभाग प्रमुख,सर्व शैक्षणिक विभाग,पुणे विद्यापीठ, पुणे - ७.
३. मा.उपकुलसचिव, शैक्षणिक प्रवेश, पुणे विद्यापीठ, पुणे - ७.

महोदय,

वरील शासन निर्णय आपणाकडे माहितीसाठी व योग्य त्या कार्यवाहीसाठी पाठवीत आहे. त्याची तातडीने अंमलबजावणी करावी ही विनंती.

आपला विश्वासू,
सही/-
कुलसचिवांकरिता

Notification of State Governemnt regarding 30% reservation for women in graduation.

**महाराष्ट्र राज्यातील सर्व पारंपारिक विद्यापीठे व त्यांना संलग्नित असलेल्या महाविद्यालयांतील पदवी अभ्यासक्रमाकरिता महिलांसाठी 30 टक्के आरक्षण ठेवण्याबाबत.**

## महाराष्ट्र शासन

उच्च व तंत्र शिक्षण विभाग
शासन निर्णय क्र. जीईसी-1000/(123/2000)/तांशि-1
मंत्रालय विस्तार भवन, मुंबई - 400032.
दिनांक : 17 एप्रिल, 2000

**प्रस्तावना :**

भारताच्या संविधानात स्त्री-पुरुष भेद न ठेवता समानतेचे तत्व हा नागरिकांचा मूलभूत हक्क मानण्यात आला आहे. तसेच महिलांच्या बाबतीतही घटनेत सकारात्मक धोरण स्विकारण्यात आले आहे. महिलांना पुरुषांच्या बरोबरीने संधी देणे अपेक्षित असले तरी विविध शिक्षण अभ्यासक्रमाकरिता स्त्रियांना समान संधी प्रत्यक्षात मिळत नाही. स्त्रियांच्या शैक्षणिक उन्नतीसाठी त्यादृष्टीने खरा प्रयत्न करणे आवश्यक आहे. त्यानुसार महिलांचे बलशालीकरण आणि समाजाच्या सर्व क्षेत्रामध्ये महिलांचा सक्रिय सहभाग करुन सर्वांगीण मानवी विकासाच्या विविध क्षेत्रामध्ये सकारात्मक परिणाम घडवून आणण्यासाठी महिलांच्या शिक्षणाकडे जाणिवपूर्वक लक्ष देणे आवश्यक आहे. ही बाब विचारात घेवून शासन निर्णय दि. 22/6/1994 अन्वये शासनाने महिलांना शासकीय नोकरीमध्ये 30 टक्के जागा आरक्षित ठेवल्या आहेत. यामागील खरा हेतू साध्य होण्याकरिता आता महिलांना पदवी अभ्यासक्रमाकरिता 30 टक्के आरक्षण ठेवणे आवश्यक आहे. त्यानुसार महाराष्ट्र राज्यात पदवी स्तरावरील सर्व अभ्यासक्रमांकरिता महिलांसाठी 30 टक्के आरक्षण ठेवण्याबाबत शासनाचा विचार होता.

**शासन निर्णय :**

वरील सर्व वस्तुस्थिती विचारात घेवून शासन आता असे आदेश देत आहे की, महाराष्ट्र राज्यातील सर्व पारंपारिक विद्यापीठे व त्यांना संलग्नित असलेल्या सर्व शासकीय, अनुदानित व विनाअनुदानित महाविद्यालयांतील पदवी अभ्यासक्रमांच्या प्रवेशांकरिता महिलांसाठी 30 टक्के आरक्षण ठेवण्यात येत आहे.

सदरचे आरक्षण बिनराखीव व राखीव या दोन्ही प्रवर्गासाठी लागू राहील. जर बिनराखीव जागा 100 असतील तर त्यापैकी 30 जागा महिलांकरिता आरक्षित राहतील.

तसेच सदरचे आरक्षण हे सध्या विविध सामाजिक प्रवर्गाकरिता विहित केलेल्या संविधानात्मक राखीव जागा अंतर्गत समांतर आरक्षण (Horizontal) राहील. उदाहरणार्थ जसे की, सध्या संविधानातील तरतुदीनुसार शासनाने अनुसूचित जातीच्या प्रवर्गातील विद्यार्थ्यांकरिता 13 टक्के जागा आरक्षित आहेत. त्यापैकी त्यातील 30 टक्के आरक्षण हे अनुसूचित जाती या प्रवर्गातील महिला उमेदवारांकरिताच ठेवण्यात येईल व जर या प्रवर्गातील किमान पात्रता असलेल्या महिला उमेदवार प्राप्त न झाल्यास त्या जागा अनुसूचित जातीच्या प्रवर्गातील पुरुष संवर्गातून भरण्यात येतील. म्हणजेच जर प्रवेशाकरिता एखाद्या विद्याशाखेसाठी प्रथम वर्षासाठी 100 जागा असतील तर त्यापैकी 13 जागा अनुसूचित जातीच्या प्रवर्गातील उमेदवारांकरिता सध्या असलेले आरक्षण विचारात घेवून त्यापैकी 30 टक्के म्हणजेच 4 जागा ह्या अनुसूचित जातीच्या प्रवर्गातील महिला उमेदवारांकरिता आरक्षित राहतील.

वर उल्लेखिलेल्या पद्धतीनेच इतर सर्व प्रवर्गांकरिताही सध्या असलेल्या आरक्षणांतर्गत महिलांना 30 टक्के समांतरपणे आरक्षण ठेवण्यात येईल. तसेच ज्या पदवी अभ्यासक्रमांकरिता मूल्यभारीत व मुक्त जागांवर देण्यात येतात हया प्रवेशाअंतर्गत देखील 30 टक्के आरक्षण महिलांकरिता देण्यात येईल.

सध्या सर्व तंत्र निकेतनांमध्ये पदविका अभ्यासक्रमासाठी महिलांकरिता शासन निर्णय क्र. टब्ल्युटीपी-1095/(2719)/व्यशि-5, दि. 17/1/1996 अन्वये ठेवलेल्या 25 टक्के आरक्षणात वाढ करून आता ते 30 टक्के इतके करण्यात येत आहे.

सदरच्या आरक्षित जागांवर जर महिला उमेदवार उपलब्ध झाल्या नाहीत तर या रिक्त जागा त्याच शैक्षणिक वर्षात पुरूष संवर्गातून भरण्यात येतील व या रिक्त जागांचा त्या पुढील शैक्षणिक वर्षात अनुशेष धरला जाणार नाही.

वैद्यकीय शिक्षण विभाग आणि कृषि व पदुम विभागांतर्गत येणा-या सर्व पदवी अभ्यासक्रमांकरिता आदेश संबंधित विभागांकडून स्वतंत्रपणे निर्गमित करण्यात येतील.

सदरचे आरक्षणविषयक आदेश शैक्षणिक वर्ष सन 2000-2001 पासून अंमलात येतील.

महाराष्ट्राचे राज्यपाल यांच्या आदेशानुसार व नावाने.

सही

(प्र. ह. क्षीरसागर)
शासनाचे सहसचिव

---

**पुणे विद्यापीठ**

संदर्भ क्र. आरक्षण/42/239

दिनांक : 17/5/2000

1) मा. प्राचार्य/मा. संचालक,
सर्व संलग्न महाविद्यालये / मान्यताप्राप्त संस्था.

2) मा. विभागप्रमुख, सर्व शैक्षणिक विभाग, पुणे विद्यापीठ.

महोदय,

उपरोक्त संदर्भीय शासन निर्णय आपणांकडे माहितीसाठी आणि योग्य त्या कार्यवाहीसाठी पाठवित आहे.

आपला विश्वासू,

उपकुलसचिव,
आरक्षण कक्ष

Res 1

Ph. D/... Unit
Inward No. 5209
Date 20/8/2001

(437)

महाराष्ट्र शासन

क्रमांक जीईसी १०००/(१२३/२०००)तांशि.१
उच्च व तंत्रशिक्षण विभाग,
मंत्रालय विस्तार भवन, मुंबई-३२
दिनांक :- ८ ऑगस्ट, २००१

प्रति,
सहाय्यक कुलसचिव (शै.प्रवेश)
पुणे विद्यापीठ,
पुणे

विषय:- महिला आरक्षणासंबधी..

महोदय,

उपरोक्त विषयावरील आपण आपले क्रमांक शैक्षणिक प्रवेश २८०७, दिनांक २.७.२००१ चे पत्र कृपया पहावे.

२. महाराष्ट्र राज्यातील सर्व पारंपारिक विद्यापीठे व त्यांना संलग्नीत असलेल्या महाविद्यालयातील पदवी अभ्यासक्रमाकरिता महिलांसाठी ३० टक्के आरक्षण ठेवण्याबाबत शासन निर्णय, क्रमांक जीईसी १०००/(१२३/२०००)तांशि.१, दिनांक १७ एप्रिल, २००० अन्वये आदेश देण्यात आलेले आहेत. सदर आदेश फक्त पदवी स्तरावरील अभ्यासक्रमाकरिता लागू आहेत.

आपला विश्वासू,

(श्या.र. चौरे)
कार्यासन अधिकारी, महाराष्ट्र शासन

Notification of Governemt of India regarding reservation of seats for person with disabilities in admission.

193

F.NO.4-1/2001 U-5
Government of India
Ministry of Human Resource Development
(Deptt. of Secondary & Higher Education)

New Delhi the 13th, December, 2002

To,
The Secretary,
University Grants Commission,
Bahadur Shah Zafar Marg,
**NEW DELHI 110001.**

Sub : Reservation of seats for persons with Disabilities in admission.

Sir,

I am directed to enclose herewith a copy of the letter received from the office of the Chief Commissioner for Disabilities Ministry of Social Justice & Empowerment dated 12/11/2002 alongwith Supreme Court order dated 11/9/2002 and 18/9/2002. Necessary instructions to all the concerned organizations institutions may please be issued for compliance of the directions of the Hon'ble Supreme Court under intimation to this Department as well as office of the Chief Commissioner for Disabilities Ministry of Social Justice & Empowerment.

Yours faithfully,

(S. R. DOGRA)
Under Secretary

---

Office of the Chief Commissioner for Disabilities
Ministry of Social Justice & Empowerment
Government of India

F.No. DL/A/CCD/2002/ 12/11/2002

To,
Secretary
Ministry of HRD
Shastri Bhawan, New Delhi.

Sub : Reservation of seats for persons with Disabilities in admission.

Sir,

I am directed to say that some of the Hon'ble High Courts had given the ruling that Sec. 39 of Persons with Disabilities (Equal Opportunities, Protection of Rights and Full Participation) Act, 1995 (PWD Act) which reads **"All Government Educational Institutions and other educational institutions receiving aid from the Government, shall reserve not less than three percent seats for persons with disabilities"**, is applicable No. reservation of jobs. Some parties, such as All Kerala Parents Association, Department of Health, Kumari Rekha appealed against the orders of the concerned Courts. The Hon'ble Supreme Court vide their order dated 11/9/2002 in Civil Appeal No. 6120/2001 and 18/9/2002 in Civil Appeals No. 4604 of 2000 and 7892/2001 have held that Section 39 of Persons with Disabilities, Act deals with reservation of seats for persons with disabilities in Govt. Educational institutions as well as educational institutions receiving aid from the Govt. and necessarily, therefore, the provision thereof must be complied with. Photo copies of the orders are enclosed.

It is requested that necessary instructions to all the concerned organizations, educational institutios including technical, medical, etc. may please be issued for compliance of the directions of the Hon'ble Supreme Court. The concerned authorities may also be requested that the provision of reservation of seats in admission is indicated in their prospectus/admission bulletin, etc. A copy of the interactions issued may please be sent to this office.

Yours faithfully,

(Thakur Datt Dhariyal)
Dy. Chief Commissioner, Disabilities.

University Grants Commission
Bahadurshah Zafar Marg,
New Delhi 110002.

No. F. 6-1/2002 (CCP-II)

August, 2003

To,
The Registrar
University of Pune
Pune 411007
Maharashtra

Sub : Ensuring 3% reservation for persons with disabilities in Teaching & Non-Teaching Posts Implementation of Hon'ble Supreme Court order dated 1809-2003.

Sir / Madam,

Kindly find enclosed a copy of the letter No. F 4-1/2001 U-5 dated 13-12-2002 alongwith its enclosures on the above subject, which is self explanatory and to request you to intimate the action taken in the matter by 10th Oct. 2003.

The contents of this letter may be brought to the notice of all the college affiliated to your universities.

Yours faithfully

(Urmil Gulati)
Under Secretary

---

University of Pune
Reservation Cell
Ref. : Reservation/42/732
Date : 25/11/03

To,
The Director / Principal
All Recognised Institutes / Affiliated Colleges,

Sir,

Please find enclosed herewith a copy of Letter No. F. No. 4-1/2001 U-5, dated 13/12/2002 of Government of India for your information and further necessary action.

Thanking you

Your's faithfully

sd/-xx

For Registrar

UGC/11-12

उन्नत व प्रगत गटाचे तत्व (क्रिमिलेअर) अनुसूचित जाती व्यतिरिक्त, विमुक्त जाती भटक्या जमाती, इतर मागासवर्ग व विशेष मागास प्रवर्गांना लागू करतांना प्रमाणपत्राच्या नमुन्यातील बदल.

आवक क्रमांक 2
दिनांक 8/6/2006
2220

Notification of Government of Maharashtra for submission of Non Creamy layer certificate

महाराष्ट्र शासन
सामाजिक न्याय, सांस्कृतिक कार्य व विशेष सहाय्य विभाग,
शासन परिपत्रक क्रमांक सीबीसी १० /२००६/ प्र.क्र.१५/ मावक ५
मंत्रालय विस्तार भवन, मुंबई ४०००३२
दिनांक : ५ जून, २००६

वाचा :- १) शा.नि. सामान्य प्रशासन विभाग क्र. बीसीसी-१०९३/२१६७/सीआर-१४१/९३/१६-ब, दिनांक २३ मार्च, १९९४
२) शा.नि. स.क., सां.का. व क्री. विभाग क्र.सीबीसी-१०९४/प्र.क्र.८६/मावक-५, दिनाक १६ जून, १९९४
३) शा.नि. सामान्य प्रशासन विभाग क्र. बीसीसी-१०९४/प्र.क्र.६८/९४/१६-ब, दिनांक १५ जून, १९९५
४) शा.नि. स.क., सां.का. व क्री.विभाग क्र.सीबीसी-१०९४/प्र.क्र.८६/मावक-५, दिनाक ५ जून, १९९७
५) शा.नि. सा.न्या.,सां.का., क्री. व वि.स.विभाग क्र.सीबीसी-१०/२००१/ /प्र.क्र.१२०/ मावक-५, दिनाक १ नोव्हेंबर, २००१
६) शा.नि. सा.न्या., सां.का. व वि.स.विभाग क्र.सीबीसी-१०/२००१/प्र.क्र.१११/मावक-५, दिनाक २९ मे, २००३

**प्रस्तावना :-** सामान्य प्रशासन विभाग, दिनांक २३ मार्च, १९९४ च्या शासन निर्णयानुसार केवळ भटक्या जमाती (क) भटक्या जमाती (ड) आणि इतर मागासवर्गांना उन्नत व प्रगत गटाचे (क्रिमीलेअरचे) तत्व लागू केलेले आहे. आता महाराष्ट्र राज्य लोकसेवा - अनुसूचित जाती / जमाती व विमुक्त जाती, भटक्या जमाती, विशेष मागास प्रवर्ग आणि इतर मागासवर्ग यांच्यासाठी आरक्षण अधिनियम - २००१ मधील कलम चार पोट कलम २(दोन) च्या परंतुका अन्वये उन्नत व प्रगत गटाचे (क्रिमीलेअरचे) तत्व अनुसूचित जाती व अनुसूचित जमाती व्यतिरिक्त निरधिसूचीत जाती (अ) (विमुक्त जाती - अ), भटक्या जमाती (ब), भटक्या जमाती (क), भटक्या जमाती (ड) त्याचबरोबर इतर मागासवर्ग आणि विशेष मागास प्रवर्ग या मागास प्रवर्गांना लागू करण्याची तरतूद केली आहे. सदर तरतूद विचारात घेऊन उन्नत व प्रगत गटाचे (क्रिमीलेअरचे) तत्व लागू करण्यासंबंधी खालील प्रमाणे सूचना देण्यात येत आहेत.

**शासन परिपत्रक :-** आरक्षण अधिनियम २००१ हा अधिनियम अंमलात आणल्याच्या दिनांक २९ जानेवारी, २००४ पासून अनुसूचित जाती व अनुसूचित जमाती व्यतिरिक्त निरधिसूचीत जाती

(विमुक्त जाती - अ), भटक्या जमाती (ब), भटक्या जमाती (ड), इतर मागासवर्ग आणि विशेष मागास प्रवर्ग यांना उन्नत व प्रगत गटाचे (क्रिमीलेअरचे) तत्त्व लागू करण्यात येत आहे.

२. पदोन्नती वगळता ज्या ज्या प्रयोजनाकरिता आरक्षणाचे आदेश लागू करण्यात आलेले आहेत, त्या त्या सर्व प्रयोजनाकरिता क्रिमीलेअरचे तत्त्व लागू राहील व त्याप्रमाणे प्रमाणपत्र सादर करणे आवश्यक राहील.

३. उन्नत व प्रगत गटाच्या (क्रिमीलेअरच्या) मार्गदर्शक तत्वासंदर्भात सामान्य प्रशासन विभागाने व विहित उत्पन्न मर्यादेसंदर्भात या विभागाने वेळोवेळी काढलेले आदेश विचारात घेण्यात यावेत.

४. संदर्भाधीन शासन निर्णय दिनांक १६ जुन, १९९४ मधील मुद्दा क्रमांक ४ खाली, "... आदेश भटक्या जमाती (क) धनगर व तत्सम जाती, भटक्या जमाती (ड) वंजारी व तत्सम जाती आणि इतर मागासवर्ग यांना लागु राहतील" हा परिच्छेद वगळण्यात येत आहे.

५. अनुसूचित जाती व अनुसूचित जमाती सोडून विमुक्त जाती भटक्या जमाती, इतर मागासवर्ग व विशेष मागास प्रवर्ग यांना उन्नत व प्रगत गटाच्या तत्वानुसार प्रमाणपत्राचा नमुना परिशिष्ट "अ" प्रमाणे राहील.

हे शासन परिपत्रक सामान्य प्रशासन विभागाच्या सहमतीने निर्गमित करण्यात येत आहे. तरी सर्व संबंधित प्राधिकाऱ्यांनी वरील सूचना तातडीने अमलात आणाव्यात.

सदर शासन निर्णय महाराष्ट्र शासनाच्या वेबसाईटवर उपलब्ध करण्यात आला असुन त्याचा संगणक संकेतांक २००६०६०५१५३०३८०००१ असा आहे.

महाराष्ट्राचे राज्यपाल यांच्या आदेशानुसार व नावाने,

बलदेव चंद

( बलदेव चंद )
प्रधान सचिव, महाराष्ट्र शासन

प्रति,
सर्व विभागीय आयुक्त
प्रबंधक, उच्च न्यायालय, मूळ शाखा / अपील शाखा, मुंबई (पत्राने)
संचालक, समाजकल्याण संचालनालय, महाराष्ट्र राज्य, पुणे.
संचालक, विमुक्त जाती, भटक्या जमाती, इतर मागासवर्ग व विशेष मागास प्रवर्ग कल्याण संचालनालय, महाराष्ट्र राज्य, पुणे.

महाराष्ट्र राज्याबाहेरील अनुसूचित जाती व इतर मागासवर्गीय सवलतीस पात्र नसल्याबाबत ...

महाराष्ट्र शासन
समाजकल्याण, सांस्कृतिक कार्य व क्रीडा विभाग,
शासन परिपत्रक क्र.सीबीसी-1290/23116/प्र.क्र.378/मावक-5,
मंत्रालय विस्तार भवन, मुंबई-400 032. दिनांक: 24 ऑगस्ट, 1995.

वाचा:- 1) गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नवी दिल्ली, यांचे पत्र क्र.बीसी-12025/2/76/एससीटी-1, दिनांक 22 मार्च 1977

2) गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नवी दिल्ली, यांचे पत्र क्र.बीसी-16014/1/82/एससी अॅन्ड बीसीडी-1, दिनांक 18-11-1982.

3) गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नवी दिल्ली यांचे पत्र क्र.बीसी-16014/1/82/एससी अॅन्ड बीसीडी-1, दिनांक 6 ऑगस्ट, 1984.

4) गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नवी दिल्ली यांचे पत्र क्र.बीसी-16014/1/82/एससी अॅन्ड बीसीडी-1, दिनांक 22 फेब्रुवारी, 1985.

5) शासन निर्णय, समाजकल्याण, सांस्कृतिक कार्य, क्रीडा व पर्यटन विभाग, क्र.सीबीसी-1084/54577/1813/बीसीडब्ल्यू-5, दिनांक 1 नोव्हेंबर 1985.

परिपत्रक:- अॅक्शन कमिटी ऑन इश्यू ऑफ कास्ट सर्टिफिकेट टू शेड्युल कास्ट्स अॅन्ड शेड्युल ट्राईब्स इन द स्टेट ऑफ महाराष्ट्र व इतर यांनी सर्वोच्च न्यायालयात भारत सरकार विरुध्द रिट पिटीशन (सी) क्रमांक:693/90 दाखल केले. त्या याचिकेत "ए" राज्याशी संबंधित असलेली अनुसूचित जाती व अनुसूचित जमातीची व्यक्ती "ब" राज्यात स्थलांतरीत झाल्यावर त्या राज्यात सारखीच नामसादृश्य जात/जमात राज्य घटनेच्या हेतूसाठी "ब" त्या राज्याशी संबंधित अनुसूचित जाती/अनुसूचित जमाती म्हणून निर्देशित केली गेली असल्यास स्थलांतरीत राज्यात अनुसूचित जाती/अनुसूचित जमातीकरीता असलेले हक्क/सवलतीकरीता पात्र समजले जाईल काय हा प्रश्न याचिकेत उपस्थित केला होता. त्या याचिकेवर दिनांक 18-7-94 रोजी सर्वोच्च न्यायालयात घटनापिठाने जो निर्णय दिला आहे, त्या निर्णयाच्या अनुषंगाने पुढीलप्रमाणे शासनाकडून निदेश देण्यात येत आहेत.

(1) ज्या अनुसूचित जाती/सामाजिक व शैक्षणिकदृष्ट्या मागासलेल्या वर्गातील व्यक्ती (इतर मागासवर्ग) महाराष्ट्राबाहेरील राज्यातून महाराष्ट्रात स्थलांतरीत झाल्यास त्यांच्या मूळच्या राज्यात त्यांना जो अनुसूचित जाती/सामाजिक व शैक्षणिकदृष्ट्या मागासलेल्याचा दर्जा (इतर मागासवर्ग) त्यांना प्राप्त झालेला आहे. त्या दर्जाच्या आधारे फक्त मूळच्या राज्यात त्यांना अनुसूचित जाती/सामाजिक व शैक्षणिकदृष्ट्या मागासलेल्या वर्गाकरीता देय असलेले फायदे/सवलती प्राप्त होतील. महाराष्ट्र राज्यात त्यांना कोणत्याही सवलती/फायदे प्राप्त होणार नाहीत.

(2) एका राज्यातून दुस-या राज्यात नोकरी शिक्षण वगैरे करीता स्थलांतरीत होणा-या अनुसूचित जातीच्या व्यक्तींना ते ज्या राज्यात स्थलांतरीत झाले असतील, त्या राज्यात जातीची प्रमाणपत्रे मिळत नाही. स्थलांतरीतांची ही अडचण दूर करण्याकरीता केंद्र शासनाने त्यांच्या दिनांक 22-3-77 च्या पत्र क्रमांक:बीसी-12025/2/76/एससीटी-1, मधील सूचनांत अंशत: बदल करुन दिनांक 18-11-82, 6-8-84 आणि दिनांक 22-2-85 च्या वर नमूद केलेल्या पत्रान्वये एका राज्यातून दुस-या राज्यात स्थलांतरीत झालेल्यांना, त्यांच्या वडिलांना त्यांच्या मूळ राज्यातील सक्षम अधिका-याने दिलेल्या प्रमाणपत्राच्या आधारावर ज्या प्रकरणात मूळ राज्यामार्फत चौकशी करणे आवश्यक आहे, अशी प्रकरणे वगळता जातीची प्रमाणपत्र द्यावीत, अशा सूचना निर्गमित केलेल्या आहेत. स्थलांतरीतांना जातीचे प्रमाणपत्र घेण्यासाठी त्यांना त्यांच्या मूळ राज्यात जावे लागू नये व ते ज्या राज्यात स्थलांतरीत झाले असतील त्या राज्यात त्यांना जातीचे प्रमाणपत्र मिळावे या उद्देशाने ही सवलत दिलेली आहे. या प्रमाणपत्राच्या आधारावर त्यांना त्यांच्या मूळ राज्यात जो दर्जा प्राप्त झालेला आहे व त्या जाती/वर्गासाठी ज्या सवलती देय होतात त्या सवलतीचा लाभ घेता येईल. तसेच केंद्र सरकार तर्फे देण्यात येणा-या सवलती देखील त्यांना देय ठरतील. परंतु महाराष्ट्र राज्यात जे स्थलांतरीत झाले असतील त्यांना राज्यातील सवलती प्राप्त होणार नाहीत असे पुन: एकदा स्पष्ट करण्यात येत आहे.

(3) महाराष्ट्र राज्यात व अन्य राज्यात ज्या समान जाती आढळून येतात अशा जातीपैकी एखाद्या समान असलेल्या जातीचे

प्रमाणपत्र महाराष्ट्राबाहेरील राज्यातील सक्षम प्राधिकाऱ्याने दिलेले असल्यास त्या प्रमाणपत्र धारकास त्या राज्यातील कोणतेही फायदे प्राप्त होणार नाहीत.

2. शालेय शिक्षण विभाग, उच्च व तंत्र शिक्षण व सेवायोजन विभाग, आणि वैद्यकीय शिक्षण व औषधी द्रव्ये विभागांनी त्यांच्या नियंत्रणाखालील शासकीय व निमशासकीय कार्यालयाकरीता स्वतंत्ररित्या परिपत्रकाद्वारे वरील तरतुदी निदर्शनास आणण्यात याव्यात.

महाराष्ट्राचे राज्यपाल यांच्या आदेशानुसार व नावाने,

म. द. कांबळे,
उप सचिव, महाराष्ट्र शासन.

प्रति,

राज्यपालांचे सचिव,
मुख्यमंत्र्यांचे सचिव,
* सचिव, महाराष्ट्र लोकसेवा आयोग, मुंबई,
महालेखापाल, महाराष्ट्र 1/2, मुंबई/नागपूर,
सचिव, सामान्य प्रशासन विभाग, मंत्रालय, मुंबई,
सचिव, आदिवासी विकास विभाग, मंत्रालय, मुंबई,
अधिदान व लेखा अधिकारी, मुंबई,
मुख्य महानगर दंडाधिकारी,
सर्व जिल्हा दंडाधिकारी,
सर्व तालुका कार्यकारी दंडाधिकारी,
सर्व विभागीय आयुक्त,
संचालक, समाजकल्याण, महाराष्ट्र राज्य, पुणे,
संचालक, शिक्षण, महाराष्ट्र राज्य, पुणे,
आयुक्त आदिवासी कल्याण, महाराष्ट्र राज्य, नाशिक,
संचालक, आदिवासी संशोधन व प्रशिक्षण संस्था, पुणे,
सहसंचालक (जाप्रत), समाजकल्याण संचालनालय, महाराष्ट्र राज्य, पुणे,
सर्व विभागीय समाजकल्याण अधिकारी,
सर्व जिल्हा समाजकल्याण अधिकारी,
सर्व जिल्हा परिषदांचे मुख्य कार्यकारी अधिकारी,
समाजकल्याण अधिकारी, बृहन्मुंबई, मुंबई,
* प्रबंधक, उच्च न्यायालय, अपील शाखा, मुंबई,
* प्रबंधक, उच्च न्यायालय, मूळ न्याय शाखा, मुंबई,
सर्व मंत्रालयीन विभाग,
त्यांना विनंती करण्यात येते की, त्यांनी सदर आदेश त्यांचे अधिपत्याखालील सर्व विभाग प्रमुख व कार्यालय प्रमुख यांचे निदर्शनास आणून द्यावेत.
सर्व कार्यासने, समाजकल्याण, सांस्कृतिक कार्य व क्रीडा विभाग,
निवड नस्ती, का. मावक-5.

---

* पत्राद्वारे.